an>

Title: Regarding shortage of coal for power production in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, आपने एक बड़े ज्वलंत, अत्यन्त महत्वपूर्ण और अविलम्बनीय प्रश्न पर मुझे बोलने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। एक तरफ हमारे माननीय सदस्यों ने अपने क्षेत्र और राज्य में बिजली कटौती से उत्पन्न संकट की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट किया है और सरकार से अपेक्षा की है। मैं उससे ज्यादा महत्वपूर्ण प्रश्न उठा रहा हूं। देश के जो 45 बिजली घर हैं, नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन हो या प्राइवेट हो, उनसे ऊर्जा का उत्पादन होता है। खुद ऊर्जा मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि 45 ऐसे बिजली घर हैं जिनके पास मात्र 7 दिनों का कोयला बचा हुआ है। उनमें से 4 बिजली घर ऐसे हैं जिनके पास कोवल 2 दिन का कोयला है। खुद ऊर्जा मत्री जी ने इसे स्वीकार किया है कि राज्यों में कोयले का उत्पादन कम हुआ है। यह अपने आप में काफी गंभीर संकट है। अगर उन बिजली घरों को 2 दिन या 7 दिन बाद कोयले की आपूर्ति नहीं हुई तो सारा उत्पादन ठप्प हो जाएगा। इससे आज जो स्टॉल्ड कैपेसिटी है, उसके सापेक्ष प्लांट लोड फैक्टर की कमी आने से जहां एक तरफ सूखे की स्थिति है, दूसरी तरफ चाहे दिल्ली राजधानी हो, शाम को पीक आवर में 5 हजार मेगावाट की आवश्यकता पड़ती है। उत्तर प्रदेश में 12 हजार मेगावाट की सापेक्ष 6 हजार मेगावाट मिल रही है। यह काफी ज्वलंत प्रश्न है। इसमें कौन जिम्मेदार है। एक एग्रीमैंट, लिंकेज होता है। उन थर्मल पावर को सभी बिजली घरों को कोल लिंकेज में कोयले के उत्पादन की कमी क्यों आई। कोयले के अभाव से उत्पादन प्रभावित होगा जो राष्ट्रीय क्षति होगी। सरकार इस पर तत्काल कदम उठाए।